भजन

तर्ज– तेरी उम्मीद तेरा इन्तजार

यहीं उम्मीद यहीं इन्तजार करते हैं
ले चलो हम तो सिर्फ ये पुकार करते हैं

1– रोये आत्म ब्यां करूं कैसे
हाल अपना पिया कहूँ कैसे
तेरे चरणों में अर्ज बार बार करते हैं

2– ये बिछोहा सहा नहीं जाए
एक पल भी रहा नहीं जाए
रात दिन बस तुम्हीं से ये गुहार करते हैं

3– इश्क में जीत बस तुम्हारी है
मान ली है खता हमारी है
क्यों हमें आप और शर्मसार करते हैं